Fr. Agnel School

Waliv, Vasai (E)

1st Unit Test Exam

Std. : 10th **Sub : Hindi** **Total Marks : 40**

विभार्ग १ गद्य

प्र १ . निम्नलिखित परिच्छोद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियॉ कीजिए

ऑख खुली तो मैंने अपने - आपको एक बिस्तर पर पाया । ईर्द - गिर्द कुछ परिचित - चेहरे खड़े थे । ऑख खुलते ही उनके चहरों पर उत्सुकता की लहर दौंड़ गई। मैंने कराहते हुए पूछा – "मैं कहॉ हूँ?"

" आप सर्वजनिक अस्पताल के प्राइवेट वाई में हैं । आपका ऐक्सिडेंट हो गया था सिर्फ पैर का फ्रैक्चर हुआ है । अब घबराने की कोई बात नहीं ।" एक चेहरा इतनी तेजी से जवाब देता हैं, लगता हैं मेरे होश आने तक वह इसलिए रूका रहा अब मैं अपनी टॉगों की और देखता हूँ । मेरी एक टॉग अपनी जगह पर सही - सलामत थी और दूसरी टॉग रेत की थैली के सहारे एक स्टैंड पर लटक रही थी । मेरे दिमाग में एक नए मुहावरे का जन्म हुआ । 'टॉग का टूटना' यानी सार्व जनिक अस्पताल में कुछ दिन रहना । सार्वजानिक अस्पताल का खयाल आते ही मैं कॉप उठा । अस्पताल वैसे ही एक खतरनाक शब्द हैं, फिर यदि उसके साथ सार्वजानिक शब्द चिपका हो तो समझो आत्मा से परमात्मा के मिलन होने का समय आ गया । अब मुझे यूँ लगा कि मेरी टॉग टूटना मात्र एक घटना है और सार्वजानिक अस्पताल में भरती होना दुर्घटना ।

टॉग से ज्यादा फिक्र मुझे उन लोगों की हुई जो हमदर्दी जताने मुझसे मिलने आएँगे । ये मिलने - जुलने वाले कई बार इतने अधिक आते हैं और कभी कभी इतना परेशान करते हैं कि मरीज का आराम हराम हो जाता है, जिसकी मरीज को खास जरूरत होती हैं । जनरल वार्ड का तो एक नियम होता हैं कि आप मरीज को एक निश्चित समय पर आकर ही तकलीफ दे सकते हैं किंतु प्राइवेट वार्ड, यह तो एक खुला निमंत्रण हैं ।

कति . संजाल पूर्ण कीजिए

१ ऑख खुलने पर लेखक ने यह देखा २

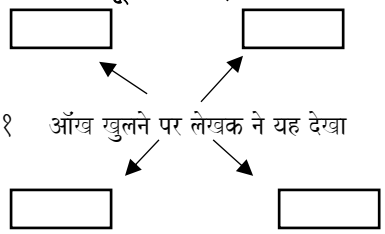

२ .

लेखक को यह फिक्र हुई २

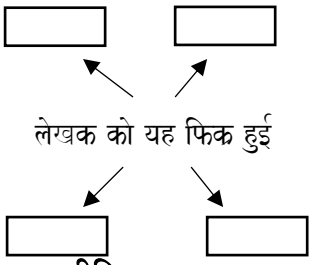

कृति २ अंतर स्पष्ट कीजिए

प्राइवेट अस्पताल	सार्वजनिक अस्पताल
_____	_____

१

कृति ३ सार्वजनिक अस्पताओं में मरीज को होने वाली परेशनियों के विषय में अपने विचार लिखिए २

प्रश्न १.२ हमदर्दी जानने वालों में वे लोग जरूर आएँगे , जिनकी हम सूरत भी नहीं देखना चाहते | हमारे शहर में एक कवि हैं, श्री लपकानंद | उनकी बेतुकी कविताओं से सारा शहर परेशान हैं | मैं अकसर उन्हें दूर से देखते ही भाग खड़ा होता हूँ | जानता हूँ जब भी मिलेंगे दस - बीस कविताएँ पिलाए बिना नहीं छोड़ेगे | एक दिन बगल में झोला दबाएं आ पहुँचे | आते ही कहने लगे – "मैं तो पिछले चार - पॉच दिनों से कवि सम्मेलनों में अति व्यस्त था | सच कहता हूँ कसम से, मैं आपके बारे में ही सोचता रहा | रात भर मुझे नींद नहीं आई और हॉ, रात को इसी संदर्भ में यह कविता बनाई ... |" यह कह झोले में से डायरी निकाली और लगे सुनाने-

"असम की राजधानी है शिलॉग
मेरे दोस्त की टूट गई है टॉग
मोटरवाले, तेरी ही साइड थी रॉग |"

कविता सुनकर मुझे ऐसे देख रहे थे, मानो उनकी एक ऑख पूछ रही हो – 'कहो, कविता कैसी रही?' और दूसरी ऑख पूछ रही हो – 'बोल, बेटा! अब भी मुझसे भागेगा?' मैंने जल्दी से चाय पिलाई और फिर कविताएँ सुनने का बाद कर बड़ी मुश्किल से विदा किया |

अब मैं रोज ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि हे ईश्वर अगर तुझे मेरी दूसरी टॉग भी तोड़नी हो तो जरूर तोड़ मगर कृपा कर उस जगह तोड़ना जहॉ मेरी कोई भी परिचित न हो, क्योंकि बड़े बेदर्द होते हैं ये हमदर्दी जताने वाले |

कृति १.आकृति पूर्ण कीजिए

१ कवि लपकानंद के विषय में लेखक ने यह बताया २

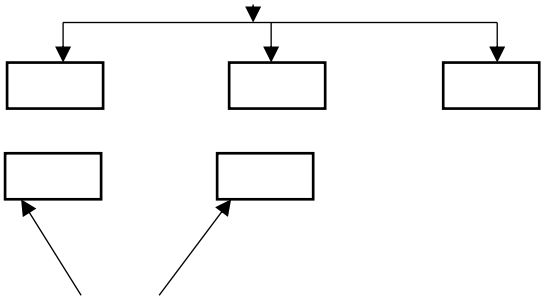

२ कवि लपकानंद ने यह कहा २

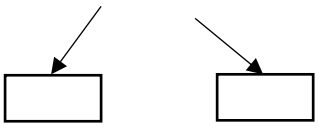

कृति २ कारण लिखिए

१ लेखक कहते हैं कि मेरी दूसरी टॉग उस जगह तोड़ना जहॉ कोई परिचित न हो _____ | १

कृति ३ कवियों की कविता सुनाने की आदत के बारे में अपने विचार लिखिए | २

विभार्ग २ पदय

प्र २.१.निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियॉ कीजिए

हिमालय के ऑगन में उसे, किरणों का दे उपहार
उषा ने हॅस अभिनंदन किया, और पहनाया हीरकर हार |

झग हम, लगे जगाने विश्व, लोक में फैला फिर आलोक

द्ययोमतम पुंज हुआ तव नष्ट, अखिल संसृति हो उठी अशोक|

विमल वाणी ने वाणी ली, कमल कोमल कर सप्रीत
सप्तस्वर सप्तसिंधु मे उठे, छिड़ा तव मधुर साम संगीत|.....

कृति १ आकलन कृति

१ पद्यांश से ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों १

१. अभिनंदन २. आलोक

२ कविता की पंक्तियों को उचित क्रमानुसार लिखकर प्रवाह तख्ता पूर्ण कीजिए २

१. अखिल संसृति हो उठी अशोक
२. छिड़ा तव मधुर साम संगीत
३. उषा ने हँस अभिनंदन किया
४. द्ययोमतम पुंज हुआ तव नष्ट

३ उचित जोड़ियाँ मिलाइए २

अ	**आ**
१ उषा	क आलोक
२ हीरक	ख संगीत
३ दिख	ग अभिनंदन
४ वीणा	घ हार

प्र २.२ .निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए

चरित थे पूत, भुजा में शक्ति, नम्रता रही सदा संपन्न
हृदय के गौरव में था गर्व, किसी को देख न सके विपन्न|

हमारे संचय में था दान, अतिथि थे सदा हमारे देव
द्याचन में सत्य, हृदय में तेज, प्रतिज्ञा में रहती थी टेव|

वही है रक्त, वही है देश, वही साहस है, वैसा ज्ञान
वही है शांति, वही है शक्ति, वही हम दिव्य आर्य संतान|

जिएँ तो सदा इसी के लिए, यही अभिमान रहे हर्ष
निछावर कर दें हम सर्वस्व, हमारा प्यारा भारतवर्ष|

कृति १.आकृति पूर्ण कीजिए २

१ हम चरित्र के ऐसे थे -_____
२ हम दान के लिए यह करते थे -_____
३ हमारे लिए ये देवता के समान थे-_____
४ हमें अपने गौरव पर यह था -_____

कृति २ पद्यांश से शब्द ढूँढकर लिखिए १

१ पवित्र शब्द के लिए प्रयुक्त शब्द -_____
२ गरीब शब्द के लिए प्रयुक्त शब्द -_____

कृति ३ निम्नलिखित पंक्तियों का तात्पर्थ लिखिए २

१ वही हम दिव्य आर्य संतान |

२ किसी को देख न सके विपन्न |

विभार्ग २ पूरक पठन

प्र ३ .निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियॉ कीजिए

खारे जल से
धुल गए विषाद
मन पावन |

मृत्यु को जीना
जीवन विष पीना
है जिजीविषा |

मन की पीड़ा
छाई बन बादल
बरसीं ऑखें |

चलतीं साथ
पटरियॉ रेल की
फिर भी मौन |

सितारे छिपे
बादलों की ओट में
सुन आकाश |

तुमने दिए
जिन गीतों को स्वर
हुए अमर |

सागर में भी
रहकर मछली
प्यासी ही रही |

कृति १ आकलन कृति २

१ उचित जोड़ियॉ मिलाइए

अ	आ
१ मछली	i. मौन
२ गीतों के स्वर	ii. सूना
३ रेल की पटरियॉ	iii.प्यासी
४ आकाश	iv.अमर
	v. पीड़ा

कृति २ परिणाम लिखिए १

१ सितारों का छिपना -_____

२ तुम्हारा गीतों को स्वर देना -_____

कृति ३ उत्तर लिखिए १

१ छिपे हुए -_____

२ अमर हुए -_____

विभार्ग ४ व्याकरण

प्र ४ .सूचनाओं के अनुसार कृतियॉ कीजिए

१ .निम्नलिखित वाक्यों में अधोरेंखांकित शब्दों के भेद पहचानकर लिखिए १

अ . सड़क कदाचित कच्ची थी |

आ . राजा दशरथ वृद्ध दंपति के सामने बैठ गए |

२ .निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त अव्यय पहचानकर उनका भेद लिखिए १

अ .हमारे घर के पीछे नहीं है |

आ .आज कौन सी परीक्षा है |

३ . रचना के आधार पर वाक्यों का प्रकार पहचानिए १

अ . भारतीय चरित्र के पवित्र होते हैं |

आ . बादल आए किंतु पानी नहीं बरसा |

४ .निम्नलिखित कियाओं के प्रथम प्रेरणार्थक और द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए १

अ . दौड़ना आ . बोलना

विभार्ग ५ उपयोजित लेखन

प्र ५ . अ .पत्र लेखन ४

वक्तृत्व प्रतियोगित में प्रथम स्थान पाने के उपलक्ष्य में आपके मित्र/ सहेली ने आपको बधाई पत्र भेजा है उसे धन्यवाद देते हुए पत्र लिखिए |

प्र ५ . आ . निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर किसी समारोह का वृत्तांत लिखिए ४

- स्थान
- तिथि - समय
- प्रमुख अतिथि
- समारोह
- अतिथि संदेश
- समापन

****